ये दुनिया के वो बेहतर पशुचिकित्सक हैं, जो मूक पशुओं का उपचार करते हैः—माननीय श्री लाखन सिंह यादव जी, केबिनेट मंत्री, पशुपालन मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग, म.प्र. शासन, भोपाल

जबलपुर। आज दिनांक 30 दिसम्बर 2019 को यशस्वी डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी के प्रेरणा व मार्गदर्शन में माननीय श्री लाखन सिंह जी यादव, कैबिनेट मंत्री पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, मध्यप्रदेश शासन, श्री संजय यादव जी, विधायक, बरगी विधान सभा क्षेत्र एवं श्री भीकम सिंह यादव का विश्वविद्यालय आगमन पर मत्स्य महाविद्यालय में स्वागत उपरांत, महाविद्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। साथ ही इस अवसर पर मत्स्य महाविद्यालय द्वारा स्व—सहायता समूहों के मछुआरों को मत्स्य बीजों व फार्मर फर्स्ट परियोजनांतर्गत अंगीकृत 6 ग्रामों के 8 स्वसहायता समूहों के हितग्राहियों को 96 नर्मदा निधि मुर्गीयों, मुर्गों तथा चूजों का वितरण माननीय मंत्री जी एवं माननीय कुलपति जी के कर कमलों द्वारा किया गया। जिससे मत्स्यपालकों/पशुपालकों का समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से सशक्तीकरण हो और उनका भविष्य में सामाजिक—आर्थिक उत्थान के साथ एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषकों व पशुपालकों की आय में दो—गुनी वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक सिद्ध हों। कार्यक्रम में एक माह के मैनेज प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

सायंकाल अवधि में माननीय मंत्री जी द्वारा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के शैक्षणिक पशुचिकित्सालय केन्द्र का भ्रमण व निरीक्षण कर बरीकीयों का जायजा लिया व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा—निर्देश दिये गये। साथ ही आपने महाविद्यालय के अंर्तगत पशु पोषण, पशु अनुवांशिकी एवं अभिजनन, पशु सूक्ष्मजीवी, पशु विकृति विज्ञान, पशु शरीर रचना, पशु भेषज विभाग एवं वन्य प्राणी एवं फॉरेन्सिक हेल्थ केन्द्र का भ्रमण व निरीक्षण किया।

तदोपरांत महाविद्यालय के सभागार में माननीय पशुपालन मंत्री जी व अतिथिओं का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। स्वागत भाषण डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता महोदय द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की श्रंखला में मुख्य अतिथि माननीय पशुपालन मंत्री जी व अतिथियों द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना द्वारा विकसित पशुधन पंचाग–2020 एवं विश्वविद्यालय कैलेंडर–2020 का विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसी श्रृखंला में स्नातक छात्र सम्मान 2019 कु. सुरभि बुनकर एवं नितिन सूर्यवंशी को, स्नातकोत्तर छात्र सम्मान डॉ. पूजा ढेहरिया (पशु औषधि विभाग) एवं डॉ. भूपेन्द्र महोर (पशु औषधि विभाग) एवं कु. रश्मि मिश्रा को उत्कृष्ट एवं सुन्दर कलाकृति हेतु पदक, नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की श्रृखंला में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों को साल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

माननीय विधायक जी श्री संजय यादव जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि जिला जबलपुर में नर्मदा नदी के बरगी जलाशय में मत्स्य पालन की अपार संभावनायें है। जिसे आधुनिक मत्स्य विज्ञान की विधाओं द्वारा मछली उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। सिर्फ हमें जल प्रदूषण पर नियंत्रण करना होगा। साथ ही आपने बकरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र ग्राम मंगेली बरगी विधानसभा क्षेत्र में स्थापित करने पर जोर दिया, जिससे कृषकों एवं पशुपालको के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन हो सके।

इस अवसर उद्‌बोधन की कड़ी में माननीय डॉ. पी.डी. जुयाल, कुलपति जी ने उद्‌गार व्यक्त करते हुये कहा बायोटिक मत्स्य तकनीक के द्वारा मत्स्य उत्पादन में वृद्धि, समेकित प्रणाली द्वारा किसानों की आय में दो गुनी वृद्धि में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रार्न उत्पादन जिसमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन 25 प्रतिशत पायी जाती है। साथ में इसमें एंटीआक्सीडेंट तथा ओमेगा–3 की प्रचुरता होती है, जोकि उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह रोग कि रोकथाम में सहायक है। माननीय कुलपति जी ने माननीय पशुपालन मंत्री जी को मध्यप्रदेश **बकरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र** की स्थापना हेतु प्रस्ताव की प्रति भेंट की। जिसकी निकट भविष्य में ग्राम मगेली, बरगी विधानसभा क्षेत्र में होने की संभावना है। छात्राओं हेतु छात्रावास का प्रस्ताव, कृषक छात्रावास निर्माणाधीन की प्रगति, विश्वविद्यालय में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना पर जोर तथा निकट भविष्य में एक कृषि विज्ञान केन्द्र राहतगढ़ सागर में भूमि उपलब्धता के बाद प्रस्ताव भारतीय कृषि अनंसुधान परिषद् को प्रेषित किया जावेगा। अन्य बिन्दुओं के तहत विश्वविद्यालय में रिक्त पदों हेतु शासन की स्वीकृति तथा नई शिक्षण तकनीकि का उपयोग विश्वविद्यालय स्तर में उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु प्रयास जारी है। इत्यादि जानकारियों से मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित जनों का ध्यान आकर्षित किया।

उद्‌बोधन की श्रंखला में माननीय मंत्री जी पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मेरा प्रयास है विभाग को बढ़ाने के लियें वित्त की मूलभूत आवश्यकता है। जिसमें जिससे फंड पर्याप्त उपलब्ध हो प्रयास जारी है। मत्स्यस्य महाविद्यालय से संबंधित समस्याओं का पूर्ण निदान शीघ्र किया जावेगा। उनके द्वारा महाविद्यालय परिवार को बधाई प्रेषित करता हूँ। पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, के सभागार में माननीय पशुपालन मंत्री जी ने उद्‌बोधित करते हुए कहा कि पशुचिकित्सक वो बेहतर डॉक्टर हैं, जो कि मूक पशुओं का उपचार करते है। हम सभी को मिलकर हीन भावना से निकलकर ही प्रगति के पथ पर अग्रेसर हो सकते है। साथ ही आपने विश्वविद्यालय में यू.जी.सी. एवं कर्मचारियों के

सातवें वेतनमान को लागू करवाने एवं छात्राओं के लिए सौ सीट का छात्रावास जैसी महत्वपूर्ण मांगों पर अपना पक्ष रखा, और कहा कि इसके लिए पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय, संचालकगणों, प्राध्यापकों, प्रशासनिक अधिकारियों, छात्र–छात्राओं तथा पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोना दुबे एवं डॉ. आदित्य मिश्रा आभार प्रर्दशन डॉ. ए.के. गौर एवं डॉ. आदित्य मिश्रा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)